Shiv Stuti |PDF डाउनलोड

आशुतोष शशांक शेखर,चन्द्र मौली चिदंबरा,
कोटि कोटि प्रणाम शम्भू,कोटि नमन दिगम्बरा।।
.
निर्विकार ओमकार अविनाशी,तुम्ही देवाधि देव,
जगत सर्जक प्रलय करता,शिवम सत्यम सुंदरा।।
.
निरंकार स्वरूप कालेश्वर,महा योगीश्वरा,
दयानिधि दानिश्वर जय,जटाधार अभयंकरा।।
.
शूल पानी त्रिशूल धारी,औगड़ी बाघम्बरी,
जय महेश त्रिलोचनाय,विश्वनाथ विशम्भरा।।
.
नाथ नागेश्वर हरो हर,पाप साप अभिशाप तम,
महादेव महान भोले,सदा शिव शिव संकरा।।
.
जगत पति अनुरकती भक्ति,सदैव तेरे चरण हो,
क्षमा हो अपराध सब,जय जयति जगदीश्वरा।।
.
जनम जीवन जगत का,संताप ताप मिटे सभी,
ओम नमः शिवाय मन,जपता रहे पञ्चाक्षरा।।
.
आशुतोष शशांक शेखर,चन्द्र मौली चिदंबरा,
कोटि कोटि प्रणाम शम्भू, कोटि नमन दिगम्बरा ।।
कोटि नमन दिगम्बरा..कोटि नमन दिगम्बरा..कोटि नमन दिगम्बरा..